

निर्वेशनीय (wie eben) adj. zu *geniessen*, was *genossen* wird: मधु व-
नितानां नेत्रनिर्वेशनीयम् (यौवनम्) RAGH. 18, 51.

निर्वेष्टन (von वेष्ट् mit निस्) n. *Weberschiff* HIA. 214.

निर्वेष्टव्य (von विष्त् mit निस्) adj. 1) zu *lohn*, zu *vergelt*: अयं हि
कालः संप्राप्तो धार्तराष्ट्रपक्षीविनाम् । निर्वेष्टव्यं मया तत्र प्राणानपरिरत्न-
ता ॥ MBH. 5, 4943. — 2) zu *verschönern*, *schön zu machen*: निर्वेष्टव्यं
शरीरं येनैतत्कैः पुण्यैरपि HARIV. 7858.

1. निर्वैर (निस् + वैर) n. *Friedfertigkeit* BHIG. P. 3, 14, 45. 27, 7. 4,
30, 35. 5, 5, 11. 7, 1, 25.

2. निर्वैर (wie eben) 1) adj. *keine Feindschaft habend*, in *Frieden le-
bend*, *einträchtig*, *friedfertig* MBH. 15, 882. VARAH. BH. S. 46, 5 (6). BHIG.
P. 4, 2, 2. 5, 9, 18. 7, 4, 28. ०रम् adv.: अनुव्रजो न ते राम निर्वैरं बालिनो
बधः *da keine Feindschaft zwischen euch besteht* R. 4, 20, 7. Nom. abstr.
०ता f. *Eintracht* MBH. 15, 749. जगुर्निर्वैरता नृपाः HARIV. 4027. — 2)
m. N. pr. eines Jägers HARIV. 1206.

निर्वैरिण (निस् + वैर) n. *das Freisein von Feindschaft*, *Eintracht*
TAKASAMGR. 19.

निर्वोढ (von वृत् with निस्) nom. ag. 1) oxyt. als verb. fin. *wird weg-
führen*: श्रेय इमाः सर्वाः प्रजा निर्वोढा. — 2) *sondernd*, *scheidend* ÇAMK.
zu KHAND. Up. 8, 14. — Vgl. निर्वृत्तिर.

निर्व्यञ्जन (निस् + व्यञ्ज) 1) adj. *würzellos*: अश्वान MBH. 12, 3189. HARIV.
3489. — 2) ०ने wohl so v. a. *gerade heraus*, *ohne viele Umschweife*: पृ-
ष्ठः PAKĀT. 218, 8. *leise* BENFEY.

निर्व्यथ (निस् + व्यथा) adj. 1) *frei von Schmerzen*, *sich wohl fühlend*
RĀGA-TAR. 5, 61. — 2) *keine Bewegung des Herzens fühlend*, *ruhig*:
आरामांश्च वृत्तांश्च नाशयिष्यन्ति निर्व्यथाः MBH. 3, 13065. शत्रुपक्षे निर्व्य-
थः 6, 773.

निर्व्यथन (निस् + व्यथ) n. *Höhle* (Ort der Ruhe) AK. 1, 2, 2. H. 1363.
HALĀ. 3, 2.

निर्व्यपेत (निस् + व्यपेत्ता) adj. f. *unbekümmert um* (loc.), *gleich-
gültig gegen*: गृहेषु R. 2, 46, 19. स्वजीविते RĀGA-TAR. 3, 394. फलप्रवृत्तौ
RAGH. 14, 39. दर्भाङ्कुर ० 13, 25.

निर्व्यलीक (निस् + व्यल) adj. 1) *kein Leid verursachend*, *nicht ver-
letzend*: वचस् BHIG. P. 1, 7, 49. दानं so v. a. *von Herzen kommend*, *gern
gereicht* MBH. 13, 5994. — 2) *kein Leid empfindend*, *Etwas gern tuend*:
गुरवो ऽग्रयः । मानिता निर्व्यलीकेन (मया) 4, 28. निर्व्यलीकेन चेतसा,
— *हृदा mit leichtem Herzen*, *gern*: गच्छेयं तदनुज्ञातो निर्व्यलीकेन चे-
तसा R. GORR. 2, 18, 58. BHIG. P. 3, 13, 9. 21, 56. पद्येषामितं वीरं पति-
माप्नोति शोभना । ततस्तपस्त्वहं कुर्यां निर्व्यलीकेन चेतसा MĀRK. P. 21,
43. 64. 22, 13. निर्व्यलीकम् adv. *gern* BHIG. P. 2, 7, 42. निर्व्यलीकतम्
dass. 3, 24, 12.

निर्व्याकुल (निस् + व्याकु) adj. *nicht aufgeregt*, *ruhig*; davon nom.
abstr. ०ता f.: सर्वं सविस्तरं निर्व्याकुलतया कथयिष्यामि *in aller Ruhe*
PAKĀT. 195, 5.

निर्व्याघ्र (निस् + व्याघ्र) adj. *tigerfrei*: वन MBH. 3, 863.

निर्व्याज (निस् + व्याज) adj. *ohne Trug*, *ehrlich*, *lauter* MBH. 3, 13017.
मित्र KATHĀS. 22, 146. हृदय 24, 194. von Çiva Çiv. ०जम् adv. MBH. 3,
168. AMAR. 79. RĀGA-TAR. 1, 375. 2, 53. *ohne Täuschung*, *genau*: न नि-

व्याजं जिगीषूणां दृश्यते ह्यवधिः क्वचित् 4, 343. निर्व्याजीकृत ÇĀNTIC. 4,
19. nom. abstr. निर्व्याजता f. *Ehrlichkeit*, *Geradheit* Spr. 381.

निर्व्याधि (निस् + व्याधि) adj. *gesund*, *kräftig*: वत्सतर MBH. 9, 2322.

निर्व्यापार (निस् + व्याप) adj. *frei von Beschäftigungen*, *unbeschäft-
igt*: ०स्थिति = तेषां AK. 3, 4, 28, 50. मैथिलीकाण्डनिर्व्यापारेण बाहुना
RAGH. 15, 56. MADHJAM. 39.

निर्व्यूह s. u. 1. ऊह् mit निर्वि; nicht recht deutlich ist die Bed. des
Wortes RĀGA-TAR. 3, 470. Das n. als v. l. von निर्वीह (NB) *das zu-Ende-
Führen* Spr. 672.

निर्व्यूढि (von 1. ऊह् mit निर्वि) 1) *Ende*, *Ausgang*: शैलूषस्येव मे रा-
ज्यरङ्गे ऽस्मिन्वल्गताश्चिरम् । निर्व्यूढावपि वैरस्यं दिष्ट्या न प्रेतका गताः ॥
RĀGA-TAR. 2, 156. — 2) *Gipfel*, *der höchste Grad*: द्वयोरेवात्र निर्व्यूढिं
प्रजावात्सल्यमागतम् RĀGA-TAR. 3, 472.

निर्व्यूह (wie eben) m. SIDDH. K. 250, a, 4. 1) *Thürmchen*: दारतोरण-
निर्व्यूहध्वजसंवाहशोभिना (प्राकोरेण) MBH. 3, 11700. — 2) *Helm* oder
ein best. Helmszierath: (वीराः) सनिर्व्यूहाः MBH. 7, 3166. = *शेखर* H.
an. 3, 765. — 3) *Thor*, *Thür*. — 4) *Pflock in der Wand zum Aufhängen
von Sachen* (नागदत्तक). — 5) *ausgekochter Saft* H. an. — Vgl. निर्व्यूह.

निर्व्रण (निस् + व्रण) adj. *ohne Wunden*, *unverletzt* MBH. 7, 2742. 8,
1607. 12, 11313. BHIG. P. 8, 6, 37. *nicht schadhaft*, *ohne Scharten*, *ohne
Sprung*: सायकः परनिर्व्रणः MBH. 4, 1340. पात्र M. 6, 53.

निर्व्रत (निस् + व्रत) adj. *der keine religiöse Observanz beobachtet*
MBH. 12, 1385.

निर्व्रस्क (von व्रश् with निस्) adj. *ausgerodet* KĀTJ. ÇA. 22, 3, 5.

निर्व्रपनी (von व्री mit निस्) f. s. निर्व्रपनी, ग्रहि ०.

निर्व्रण (von कृ with निस्) n. 1) *das Herausnehmen*, *Wegschaffen*,
Entfernen: तस्माद्भवद्भिः कर्तव्यं कर्मणां त्रिगुणात्मनाम् । वीजनिर्व्रण-
म् BHIG. P. 7, 7, 28. दोषापाम् (in medic. Sinne) SUÇA. 1, 21, 2. 2, 380, 3.
409, 16. 184, 13. दोष ०, पाप ०, अघ ० MBH. 12, 10033. 11534. BHIG. P. 6,
3, 24. KULL. zu M. 8, 92. 11, 27. 53. — 2) *das Hinaustragen einer Lei-
che zum Scheiterhaufen* MBH. 12, 10938. R. GORR. 2, 80, 20. 83, 24. BHIG.
P. 1, 7, 58. 9, 46. KULL. zu M. 5, 88.

निर्व्रणीय (wie eben) adj. *wegzuschaffen*, *zu entfernen*: पापम् KULL.
zu M. 11, 145.

निर्व्रतव्य (wie eben) adj. dass.: दोषाः SUÇA. 2, 184, 11.

निर्व्रस्त (निस् + व्रस्त) adj. *handlos* AV. 3, 1, 1. 6, 63, 2. 66, 1. 2. —
Vgl. निर्व्रस्त.

निर्व्रद (von कृ with निस्) m. *Ausleerung*, *Excremente*: निर्व्रदाका-
रकारिणौ (शकुनौ) VARAH. BH. S. 83, 63. पश्यामि बहुलात्राजन्वृत्तानुद्-
कसंश्रयान् । सारसानां निर्व्रदमत्रोदकमसंशयम् ॥ MBH. 3, 17249; vgl. नि-
र्व्रार. — Fehlerhaft für निर्व्रद MBH. 14, 2118. RAGH. ed. Calc. 1, 42.

निर्व्रार (von कृ with निस्) m. 1) *das Hinausziehen* AK. 3, 3, 17. —
2) *das Hinaustragen (einer Leiche zum Scheiterhaufen)* BHIG. P. 7, 2,
35. — 3) *das bei-Seite-Bringen*, *das Wegnehmen für sich*: न निर्व्रारं
स्त्रियः कुर्याः कुटुम्बाद्धकुमध्यगात् । स्वकादपि च वित्ताद्धि स्वस्य भर्तुरना-
ज्ञया ॥ M. 9, 193. — 4) *das Wegschaffen*, *Vernichten*, *Aufheben*: कर्म ०
BHIG. P. 3, 29, 10. 6, 1, 11. 2, 12. — 5) *Entleerung* (Gegens. आकारः): ग-
वां निर्व्रारनिर्मुक्ताद्यावकात् MBH. 13, 1796. आकारनिर्व्रारविकारयोगाः